

DPN 5704

Title: दशमी विधि / DAŚAMĪ VIDHI

Run. No. 6395

Cat. No.

Micro. No.

Subject विधि Ritual

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 8.5 x 19.5

Folios 2

Lines (in a page) 10

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material: palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

cms.

5

10

15

20



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मातृको वसुपे ॥ वेला जुन डावते हो सो धन पाय ॥ मूल
 वेला जुन डावते हो होले ॥ मन्त्र ॥ ॐ यवो सिम्वया स्पष्टे यो य
 नपाशतो दिवेत्वांतरि क्षायत्वां पृथिवीत्वां सुधनतां नोदापित् वदनापि
 नवदनमसि ॥ आचमनं ॥ सूर्यार्घ्यं ॥ सारदोत्सव महापर्वणी सरत्वाली
 पूजां चतुर्थी द्वि-तमस्मादेव नमः ॥ गुरुनमस्कार ॥ न्यासपाय ॥ पूजापा
 य ॥ जपमूलपाय १०८ ॥ धूपदीपकं पाय ॥ स्तोत्रकवजहृदयज्ञाननाम
 पाय ॥ अम्बत्रशरणम् नालि ॥ वसेव शरणम् मम ॥ तस्मान्वाक्यं राममा
 नेत्ररक्षमाय परमेश्वरी ॥ समजह्वाय ॥ दक्षिणाह्वाय ॥ मराडनलं चोडुस्वा १
 हुये देवसमेन कोपाय मुमान १ ॥ धुवी धुली निष्पुजा पायमा ॥ ननु को ईति प्रतीति

पदा ॥ अक्षमीयाविशेष हनुमां चालुमा केरमा लेमा ॥ धुनी धुनी जस्वा
 नमा नानय देवयातकाय तंगाडयके ॥ ग्वलपोद्ध ग्वलनसिद्धेति कोरा
 योय कायतंगाडयके पचपहवतय ॥ जलतय मन्त्र गङ्गे चयमुनेच
 वगोदावरी सरस्वती च ॥ नर्मदेसि धुवावेरी जलेसि सन्निधिं कुरु ॥ कि
 सल्लिग्व १ फलनग्वल १ देनेतय ॥ ॐ वापर लिगी ॥ स्वानमा नानय वे
 लननुन दुगवस्थापनपाय ॥ देवेसि भक्तिसूत्रभेपरिचारसमान्तिने माव
 नानुन विष्णुमिनावायं चस्थिरोभव ॥ पूजापाय ॥ सूर्यार्घ्यं ॥ सारदोत्स
 वपूजा ॥ चतुर्थीमाय नमः ॥ गुरुनमस्कारपाय ॥ देवयाता पूजापा
 य ॥ रवाडुपाय ॥ जपपाय ॥ वलीदानपाय ॥ ननु पुजापाय ॥

गणेशाय नमः स्वास्ति गोत्रकायाय मङ्गलपथाय महादेवी महापर्वणी ईदं
 जगन्मयी अवतारयोर्मयी सुन्दरपद्मे स्वाय वरपात्रे स्वाय मन्त्राय ध्वज
 चक्राय स्वाय मातृभोग्यसुखी पूजा ॐ ब्रह्मा राडा य नमः स्तोत्र हृदय शान
 नामपाठाय दक्षिणा स्वाय धी अक्षयीया पूजा विधि नवमीया प्रोमारी पूजा
 चालसाय मोहनी पूष जय पूजा पाठाय दक्षिणा स्वाय वलीदान विधि
 ईशानवमी दशमीया विज्ञेय देवसद्वत्तयेन पुष्पाञ्जली स्वाय मूलदेवीस
 आचमन विधि स्तोत्र चक्र ज हृदय लतनाम पाठ पूजा पात्रा नवमी स्वाय
 देवसद्वत्तयेन चक्र मूलदेवी प्रोमारी विसर्जन पात्र मूर्धसा विधि पात्र शान्तिपा
 त शारत्तकाली चक्र विधि पुष्पाञ्जलीया भोग्यसुखी स्तोत्राङ्गुल मंत्र गमनार्थनाम
 ह्रीं मायाविजायाय नमः शत्रुपक्षविनाशाय पुनराविजायाय च पूजात्रय विधि दुर्गिका सगोत्रि
 ईति दशमी विधि समाप्त शुभम्